की बात कही गई।

अन्य सुविधाएं मुहैया कराया जाए।

लघु वन उत्पाद के महत्व पर संगोष्ठी का आयोजन

संवाद सूत्र, चंदवा (लातेहार): आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत वन उत्पादकता संस्थान रांची द्वारा चंदवा लाह बीज फार्म में लघु वन उत्पाद के महत्व पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन अंचलाधिकारी सुरेंद्र सिंह, सीआई रमेश रविदास और तकनीकी पदाधिकारी विष्णु देव पंडित ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। मौके पर तकनीकी पदाधिकारी सह प्रभारी बीडी पंडित ने लघु वनोत्पाद के बारे में जानकारी देते कहा कि यह ग्रामीणों के साथ देश की आर्थिक समृद्धि में सहायक हो सकता है। बताया कि करंज, गोंद, इमली, जंगली शहद, लाख, चिरांज, साल के पत्ते, बांस, तेंदू, साल के बीज, पयाल, स्टीविया, सतावर, गुड़मार, गिलोय जैसे वनोंत्पाद जनजातीय लोगों की आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत गैर काष्ठ वनोत्पाद है। ये जंगली क्षेत्र के नजदीक रहनेवाले लोगों को जीविका और नकद दोनों उपलब्ध कराते हैं खाद्य, फल दवा और अन्य लघु वनोत्पाद उपभोग वस्तुओं का एक बड़ा भाग है। जो उनकी समृद्धि में सहायक होता है। जनजातीय लोग अपनी आय 20 से 40 प्रतिशत भाग लघु वनोत्पाद से प्राप्त करते हैं लेकिन लगातार उपयोग से इनके अस्तित्व पर संकट आता जा रहा है। जरूरत है कि इन लघु वनोंत्पादों को पूरी तरह नष्ट होनें से बचाएं।

संगोष्ठी को संबोधित करते तकनीकी पदाधिकारी बीडी पंडित • जागरण

सीनियर टेक्निकल तकनीकी सहायक सूरज कुमार ने बाजार के विषय में जानकारी देते हुए लघु वनोत्पाद के संरक्षण के बारे में लोगों को प्रेरित किया। बताया कि अश्वगंधा, चिरौता, नीम, करंज, तुलसी, एलोवेरा आदि की अपनी अहमियत है। जो रोग के कीटाणुओं को नष्ट करने में सहायक होती है। मौके पर विनेश्वर उरांव, चरकू, दीपक, महेंद्र, नागेंद्र समेत विभिन्न गांवों से आए किसान मौजूद थे।

शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी